

॥ ॐ अमृतं प्रिये ॥



ॐ अमृतं प्रिये

୪୭ । ପରିଷକ୍ଷମାନଙ୍କରିତିଶାଖାମହାକୃତି
ରମଣମନୁଷୀଯକିମିଳାଇସି
ପରିଷକ୍ଷମାନଙ୍କ ।

କୃତ୍ୟଦ୍ୱାରା ପରିଦର୍ଶନ କରିବା
ଏହାକୁ କୃତ୍ୟାକରଣ କରିବାରେ ପରିଚାରିତ ।

ମହାକାଳାନନ୍ଦାକାଳାନନ୍ଦାମହାକାଳ ।

图书在版编目(CIP)数据

如意藤:释迦牟尼百行传/(印)善自在王著;匈顿·多吉坚赞,(印)拉喀迷迦罗译. —拉萨:西藏人民出版社,2004. 9

ISBN 7—223—01734—1

I . 如... II . ①善... ②匈... ③拉... III . 释迦牟尼(前 565~前 485)—传记—藏语 IV . B949.935.1

中国版本图书馆 CIP 数据核字(2004)第 074498 号

如意藤—释迦牟尼百行传

| | |
|--------|--------------------------|
| 作 者 | 古印度善自在王 |
| 翻 译 | 匈顿·多吉坚赞等 |
| 责任编辑 | 洛桑次仁 普布仓决 |
| 封面设计 | 格 次 |
| 出版发行 | 西藏人民出版社(拉萨市林廓北路 23 号) |
| 印 刷 | 成都蜀通印务有限责任公司印刷 |
| 开 本 | 787×1092 1/16 |
| 印 张 | 31.25 |
| 字 数 | 450 千 |
| 版 次 | 2004 年 9 月第 1 版 |
| 印 次 | 2004 年 9 月第 1 次印刷 |
| 印 数 | 01—2,000 |
| 书 号 | ISBN7—223—01734—1/B · 56 |
| 定 价 | 40.00 元 |

୪୭ | ଅନ୍ତର୍ଦ୍ଵାରା ମନ୍ତ୍ରମାଲା ଏଣ୍ଟିଚିରି |

| | |
|----------------------------|---|
| କୁଳମ୍ବୁ | କୁଳମ୍ବୁ ପରିମାଣ |
| ଶବ୍ଦ | ଶବ୍ଦ କ୍ଷର୍ତ୍ତର ହେତୁ କୁଳମ୍ବୁ ପରିମାଣ |
| ଗ୍ରହିଣୀମାର୍ଗ ପରିମାଣ | ଗ୍ରହିଣୀମାର୍ଗ ପରିମାଣ |
| ଅନ୍ତର୍ଦ୍ଵାରା ଏଣ୍ଟିଚିରି | ଅନ୍ତର୍ଦ୍ଵାରା ଏଣ୍ଟିଚିରି |
| ଗ୍ରହିଣୀମାର୍ଗ ପରିମାଣ ପରିମାଣ | ଗ୍ରହିଣୀମାର୍ଗ ପରିମାଣ ପରିମାଣ (ଜ୍ଯୋତିଶ୍ରୀନାଥ ପ୍ରକାଶକ୍ରମ 23ସଂ) |
| ମନ୍ତ୍ରମାଲା ପରିମାଣ | ମନ୍ତ୍ରମାଲା ପରିମାଣ ପରିମାଣ ପରିମାଣ |
| ଗ୍ରହିଣୀମାର୍ଗ | ଗ୍ରହିଣୀମାର୍ଗ |
| ମନ୍ତ୍ରମାଲା | 787 × 1092 1/16 |
| ମନ୍ତ୍ରମାଲା | 31. 25 |
| ଏଣ୍ଟିଚିରି | ୩୧. 45 |
| ମନ୍ତ୍ରମାଲା | 2004 ଫ୍ରିବ୍ ହେତୁ 9 ମନ୍ତ୍ରମାଲା ପରିମାଣ |
| ମନ୍ତ୍ରମାଲା | 2004 ଫ୍ରିବ୍ ହେତୁ 9 ମନ୍ତ୍ରମାଲା ପରିମାଣ |
| ମନ୍ତ୍ରମାଲା | 01—2,000 |
| ମନ୍ତ୍ରମାଲା ଏଣ୍ଟିଚିରି | ISBN 7—223—01734—1/B • 56 |
| ମନ୍ତ୍ରମାଲା ଏଣ୍ଟିଚିରି | 40. 00 |

ମନ୍ତ୍ରମାଲା ଏଣ୍ଟିଚିରି ପରିମାଣ ପରିମାଣ ପରିମାଣ ପରିମାଣ

፳፻፲፭

| | | |
|----------------------------------|-------|-------|
| ཡ. བ. ཉ. ར. ག. ང. ཁ. ག. ག. ག. ག. | | (156) |
| ཡ. བ. ཉ. ར. ག. ང. ཁ. ག. ག. ག. ག. | | (158) |
| ཡ. བ. ཉ. ར. ག. ང. ཁ. ག. ག. ག. ག. | | (162) |
| ྨ. བ. ཉ. ར. ང. ཁ. ག. ག. ག. ག. | | (166) |
| ྨ. བ. ཉ. ར. ང. ཁ. ག. ག. ག. ག. | | (171) |
| ྨ. བ. ཉ. ར. ང. ཁ. ག. ག. ག. ག. | | (174) |
| ྨ. བ. ཉ. ར. ང. ཁ. ག. ག. ག. ག. | | (178) |
| ྨ. བ. ཉ. ར. ང. ཁ. ག. ག. ག. ག. | | (181) |
| ྨ. བ. ཉ. ར. ང. ཁ. ག. ག. ག. ག. | | (183) |
| ྨ. བ. ཉ. ར. ང. ཁ. ག. ག. ག. ག. | | (185) |
| ྨ. བ. ཉ. ཁ. ཁ. ཁ. ཁ. ཁ. ཁ. | | (189) |
| ྨ. བ. ཉ. ཁ. ཁ. ཁ. ཁ. ཁ. ཁ. | | (194) |
| ྨ. བ. ཉ. ཁ. ཁ. ཁ. ཁ. ཁ. ཁ. | | (199) |
| ྨ. བ. ཉ. ཁ. ཁ. ཁ. ཁ. ཁ. ཁ. | | (201) |
| ྨ. བ. ཉ. ཁ. ཁ. ཁ. ཁ. ཁ. ཁ. | | (207) |
| ྨ. བ. ཉ. ཁ. ཁ. ཁ. ཁ. ཁ. ཁ. | | (218) |
| ྨ. བ. ཉ. ཁ. ཁ. ཁ. ཁ. ཁ. ཁ. | | (224) |
| ྨ. བ. ཉ. ཁ. ཁ. ཁ. ཁ. ཁ. ཁ. | | (226) |
| ྨ. བ. ཉ. ཁ. ཁ. ཁ. ཁ. ཁ. ཁ. | | (228) |
| ྨ. བ. ཉ. ཁ. ཁ. ཁ. ཁ. ཁ. ཁ. | | (232) |
| ྨ. བ. ཉ. ཁ. ཁ. ཁ. ཁ. ཁ. ཁ. | | (235) |
| ྨ. བ. ཉ. ཁ. ཁ. ཁ. ཁ. ཁ. ཁ. | | (238) |
| ྨ. བ. ཉ. ཁ. ཁ. ཁ. ཁ. ཁ. ཁ. | | (242) |
| ྨ. བ. ཉ. ཁ. ཁ. ཁ. ཁ. ཁ. ཁ. | | (248) |
| ྨ. བ. ཉ. ཁ. ཁ. ཁ. ཁ. ཁ. ཁ. | | (256) |
| ྨ. བ. ཉ. ཁ. ཁ. ཁ. ཁ. ཁ. ཁ. | | (260) |
| ྨ. བ. ཉ. ཁ. ཁ. ཁ. ཁ. ཁ. ཁ. | | (265) |
| ྨ. བ. ཉ. ཁ. ཁ. ཁ. ཁ. ཁ. ཁ. | | (270) |
| ྨ. བ. ཉ. ཁ. ཁ. ཁ. ཁ. ཁ. ཁ. | | (272) |
| ྨ. བ. ཉ. ཁ. ཁ. ཁ. ཁ. ཁ. ཁ. | | (276) |
| ྨ. བ. ཉ. ཁ. ཁ. ཁ. ཁ. ཁ. ཁ. | | (278) |

| | | |
|-------------------------------------|---|-------------|
| ཡ. བ' སନ୍ଦବ' ജ' ସକ' କ' ସତ୍ରଦ' ପା | ସନ୍ଦବ' କବଶ' ଶ୍ଵେତଶଶି' ହେତୁଶଶି' ପା | (280) |
| യ. བ' སନ୍ଦବ' ജ' ସକ' କ' ଦୟା' ପା | ଗୁ'ମୁ' ଘରି' ହେତୁଶଶି' ପା | (282) |
| ୟ. སନ୍ଦବ' କବଶ' କ' ପା | ଶ୍ଵେତଶଶି' କୁରି' ହେତୁଶଶି' ପା | (295) |
| ୟ. སନ୍ଦବ' କବଶ' କ' ଶତିଶ' ପା | ବୈନ' ପରି' ହେତୁଶଶି' ପା | (297) |
| ୟ. སନ୍ଦବ' କବଶ' କ' ଶତିଶ' ପା | ଶତିଶ' ଶ୍ଵେତଶଶି' ହେତୁଶଶି' ପା | (299) |
| ୟ. སନ୍ଦବ' କବଶ' କ' ଶତିଶ' ପା | ଦୟା' ଶୁଦ୍ଧା' ଛେଦ' ଅନ୍ତରି' ହେତୁଶଶି' ପା | (305) |
| ୟ. སନ୍ଦବ' କବଶ' କ' ଶତିଶ' ପା | କୁରି' ପତନ' ଶି' ହେତୁଶଶି' ପା | (309) |
| ୟ. སନ୍ଦବ' କବଶ' କ' ଶତିଶ' ପା | ଶତିଶ' ପରି' ହେତୁଶଶି' ପା | (328) |
| ୟ. སନ୍ଦବ' କବଶ' କ' ଶତିଶ' ପା | ଶତିଶ' କୁ' ଶ୍ଵେତଶଶି' ବାସନ' ଶି' ହେତୁଶଶି' ପା | (334) |
| ୟ. སନ୍ଦବ' କବଶ' କ' ସତ୍ରଦ' ପା | ଦୟା' ମୁକ୍ତ' ଶୁଦ୍ଧା' ଶ୍ଵେତଶଶି' ହେତୁଶଶି' ପା | (340) |
| ୟ. སନ୍ଦବ' କବଶ' କ' ସତ୍ରଦ' ପା | ମଞ୍ଚ' କ୍ଷମ' ଶ୍ଵେତଶଶି' ହେତୁଶଶି' ପା | (345) |
| ୟ. སନ୍ଦବ' କବଶ' କ' ଦୟା' ପା | କୁନ୍ତା' ଶ୍ଵେତଶଶି' ହେତୁଶଶି' ପା | (352) |
| ୟ. སନ୍ଦବ' ସତ୍ରଦ' କ' ପା | ଦି' ଆ' ଶୁଦ୍ଧା' ପରି' ହେତୁଶଶି' ପା | (354) |
| ୟ. སନ୍ଦବ' ସତ୍ରଦ' କ' ଶତିଶ' ପା | ଶୁଦ୍ଧା' କ୍ଷମ' ଶ୍ଵେତଶଶି' ହେତୁଶଶି' ପା | (355) |
| ୟ. སନ୍ଦବ' ସତ୍ରଦ' କ' ଶତିଶ' ପା | ଦି' ର' ଶତିଶ' ଶ୍ଵେତଶଶି' ହେତୁଶଶି' ପା | (357) |
| ୟ. སନ୍ଦବ' ସତ୍ରଦ' କ' ଶତିଶ' ପା | ଶୁଦ୍ଧା' ଶ୍ଵେତଶଶି' ପରି' ହେତୁଶଶି' ପା | (362) |
| ୟ. སନ୍ଦବ' ସତ୍ରଦ' କ' ଶତିଶ' ପା | ଶତିଶ' ଶୁଦ୍ଧା' ପରି' ହେତୁଶଶି' ପା | (364) |
| ୟ. སନ୍ଦବ' ସତ୍ରଦ' କ' ଶତିଶ' ପା | ହେତୁଶଶି' ଦିନ' ଦିନ' ଶୁଦ୍ଧା' ପରି' ହେତୁଶଶି' ପା | (365) |
| ୟ. སନ୍ଦବ' ସତ୍ରଦ' କ' ହେତୁଶଶି' ପା | ଦୟା' ଦୂ' ଦିନ' ଶୁଦ୍ଧା' ପରି' ହେତୁଶଶି' ପା | (366) |
| ୟ. སନ୍ଦବ' ସତ୍ରଦ' କ' ସତ୍ରଦ' ପା | ଶୈ' କୈ' ଯ' ଗରି' ହେତୁଶଶି' ପା | (368) |
| ୟ. སନ୍ଦବ' ସତ୍ରଦ' କ' ସତ୍ରଦ' ପା | ପକୁ' ଶ୍ଵେତଶଶି' ପରି' ହେତୁଶଶି' ପା | (370) |
| ୟ. སନ୍ଦବ' ସତ୍ରଦ' କ' ଦୟା' ପା | ଦିନ' ଛେଦ' ଶ୍ଵେତଶଶି' ହେତୁଶଶି' ପା | (372) |
| ୟ. སନ୍ଦବ' ସତ୍ରଦ' କ' ଶତିଶ' ପା | ଦି' ର' ଶତିଶ' ଶି' ହେତୁଶଶି' ପା | (376) |
| ୟ. སନ୍ଦବ' ସତ୍ରଦ' କ' ଶତିଶ' ପା | ଶୁଦ୍ଧା' କ୍ଷମ' ଶ୍ଵେତଶଶି' ହେତୁଶଶି' ପା | (382) |
| ୟ. སନ୍ଦବ' ସତ୍ରଦ' କ' ଶତିଶ' ପା | ଦିନ' ଶୁଦ୍ଧା' ଶ୍ଵେତଶଶି' ହେତୁଶଶି' ପା | (384) |
| ୟ. སନ୍ଦବ' ସତ୍ରଦ' କ' ଶତିଶ' ପା | ଶୁଦ୍ଧା' ଶତିଶ' ଦିନ' ଶ୍ଵେତଶଶି' ହେତୁଶଶି' ପା | (387) |
| ୟ. སନ୍ଦବ' ସତ୍ରଦ' କ' ଶତିଶ' ପା | ଶୁଦ୍ଧା' ଶତିଶ' ଦିନ' ଶ୍ଵେତଶଶି' ହେତୁଶଶି' ପା | (390) |
| ୟ. སନ୍ଦବ' ସତ୍ରଦ' କ' ଶତିଶ' ପା | ଶତିଶ' ଦିନ' ଶୁଦ୍ଧା' ପରି' ହେତୁଶଶି' ପା | (394) |
| ୟ. སନ୍ଦବ' ସତ୍ରଦ' କ' ଶତିଶ' ପା | ପ' ଶତିଶ' ଶି' ହେତୁଶଶି' ପରି' ହେତୁଶଶି' ପା | (397) |

ਬୈଶ' ମ' ନ୍ତେ' ସରି' ନ୍ତପଦ' ହେତୁ' ପୁଣ' କ୍ରେ' ଶେବା' ନ୍ତପରି' ହେତୁ' ଏ' ପାହେନ' ଏ' ନ୍ତପରା'
ଏ ପାହ' ଯୁ' ଏତି' ଭିନ' ଏତା' ନ୍ତପ' ଏ ନ୍ତପ' ଯୁ' ହେତୁ' ଏ' ପାହେନ' ଏ' ନ୍ତପରା' । । ।

